No. of Printed Pages : 2

एम.एच.डी.-17

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2015

01881

एम.एच.डी.-17 : भारत की चिंतन-परंपराएँ और दलित साहित्य

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. ईसा-पूर्व छठीं शताब्दी में उत्तर भारत की स्थिति पर प्रकाश डालिए । *10*

2. दिङ्नाग की जीवनी बताते हुए उनकी ग्रंथ संपदा का परिचय दीजिए । *10*

3. चार्वाक की मानवतावादी विचारधारा को रेखांकित कीजिए । *10*

4. नाथ साहित्य का परिचय प्रस्तुत कीजिए । *10*

5. वीर शैव पंथ की विशेषताएँ बताइए । *10*

6. "निर्गुण संत काव्य को दलित साहित्य का प्रस्थान बिन्दु कहा जाता है ।" अपना मत प्रस्तुत कीजिए । *10*

7. तेलुगु के प्रमुख संतों के सामाजिक योगदान की चर्चा कीजिए । *10*

8. कन्नड़ के प्रमुख संत कवियों का परिचय दीजिए । *10*

9. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×5=10*

   (क) बौद्ध दार्शनिक नागार्जुन

   (ख) महानुभाव पंथ

   (ग) तेलुगु संत रामदास

   (घ) सिद्ध परंपरा में स्त्री

10. धर्मकीर्ति द्वारा प्रतिपादित प्रत्यक्ष प्रमाण के प्रमुख तत्त्वों का उल्लेख कीजिए । *10*